

## महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

## खुली दर निविदा दीक्षान्त एवं अन्य आयोजनों हेतु (वार्षिक दर अनुबन्ध) तैयार फुलवारी के गमले हेतु निविदा प्रपत्र

अनुमानित लागत :- 1.90 लाख

1.	फर्म का नाम					
2.	फर्म का पता					
3.	मोबाईल न.					
4.	जी.एस.टी. नं.					
5.	पैन नं	(प्रति संलग्न)				
6.		(प्रति संलग्न)				
0.	पंजीयन प्रमाण पत्र	(प्रति संलग्न)				
Т						
Terr	n & Conditions(लागू ना हो तो क	ाट कर हस्ताक्षर कर दे।				
	तमा रात राजस्थान लोक उपापर	न में पार्टिशिता निमा १०४० ने				
2.	निविदा जारी करने की दिनांक (	01.12.2025				
3.	निवदा जमा कराने की अंतिम हि	101 00 10 0005				
4.	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि 08.—12—2025 समय अपरान्ह 2.00 बजे । निविदा खोलने की तिथि 08—12—2025 समय अपरान्ह 2.30 बजे ।					
5.	निविदा शुल्क रू. 500 / - का उ	दी दी / बैंकर्स केंद्र के कि				
	पक्ष में देय हो, जमा कराना अनि	–2025 समय अपरान्ह 2.30 बजे । डी.डी. / बैंकर्स चैक जो कि कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के वार्य है।				
6.	बोली प्रतिभति राशि रू 3800 /	- AT AT 18-14 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1				
	अजमेर के पक्ष में देय हो, जमा व	पाय है। '— का डी.डी. / बैंकर्स चैक जो कि कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, कराना अनिवार्य है।				
19.	कायादश जारी होने की तिकि से	on the time				
	कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्व	ती विश्वविद्यारम अन्ये ने भूरक्षा राष्ट्रिक रू. 9,500/- का डी.डी./बैंकर्स चैक जो कि				
	के नॉन ज्यडिशियल स्टाम्प पेपन	03 दिवस में कीय सम्पादन सुरक्षा राशि रू. 9,500/— का डी.डी./बैंकर्स चैक जो कि ति विश्वविद्यालय, अजमेर के पक्ष में देय हो, जमा कराना अनिवार्य है एवं रू. 100/— पर इकरारनामा प्रस्तुत करना होगा।				
7.	सभी दरें जी.एस.टी. एवं अन्य कर	पर इक्शरनामा प्रस्तुत करना होगा।				
8.	अगर किसी की पूर्व केस्प	। रहित प्रस्तुत का जानी है ।				
9.	दरें आगामी एक वर्ष के लिये मान	से Exempted है तो लिखना अनिवार्य है।				
	ं । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	a gitti				
10.	ानावदा सूचना एव निविदा प्रपत्र	विश्वविद्यालय की वेब साईट <u>www.mdsuajmer.ac.in</u> एवं राज्य सरकार की वेब				
	साईट sppp.rajasthan.gov.in	1 पर उपलब्ध है।				
11.	काय का मात्रा विश्वविद्यालय प्रशा	सन टारा घटार्ट / वटार्ट - प्राप्त - भू - भ				
12.	THE rates are F.O.R. MDS II	niversity, A:				
13.	पान का ब्लक लिस्ट नहीं किये ज	ाने का प्राप्ता प्रमुख्य				
14.	कार्यादेश जारी होने के पश्चात् क	ार्थ करने से मना करने पर प्रतिभूति राशि व सुरक्षा राशि जब्त की जा सकेगी।				
नोट:-						
	की जा भी है किया गाँउ वि	विश्वविद्यालय क सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम "दीक्षान्त समारोह व अन्य आयोजनों " के लिए क्रय				
	गर्द सामग्री (सामान (के)	ज्यपाल महोदय'' सहित कई अतिविशिष्ट व्यक्ति सम्मिलित होंगे । अतः आप द्वारा आपूर्ति की कैसी भी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही (क्यी उन्हीं केरी पर किसी प्रकार की लापरवाही (क्यी उन्हीं केरी पर कर किसी प्रकार की लापरवाही (क्यी उन्हीं केरी पर क्या का क्या का क्या आपूर्ति की				
	बाबन आपनी अपना (नवा आदि में वि	कियाल महादय'' सहित कई अतिविशिष्ट व्यक्ति सम्मिलित होंगे । अतः आप द्वारा आपूर्ति की केसी भी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही / कमी नहीं होनी चाहिए । निविदा / दरदाता इस				
	नानम् जापना दानता/सक्षमता/ससाध	न आदि से पूर्ण आश्वस्त हों तो ही अपनी दूर / निविदा प्रस्तुत करें ।				

बाबत् आपनी क्षमता / संक्षमता / संसाधन आदि से पूर्ण आश्वस्त हों तो ही अपनी दर / निविदा प्रस्तुत करें ।

Dated:-

Singature of firm/Company with Seal Name: Full Address:



## महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

#### खुली दर निविदा दीक्षान्त एवं अन्य आयोजनों हेतु (वार्षिक दर अनुबन्ध) तैयार फुलवारी के गमले हेतुं निविदा वित्तीय बिड

S.No	Item Description	Qty.	Rate Per Unit
1.	Schefflera Plant (Multi Branching) 12" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	excluding GST
2.	Pendenence Plant (well doveloped) 12" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	
3.	Drecena Gold Plant 12" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	
4.	Raphis Palm Plant (Multi Branching) 12" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	
5.	Rader Machera Plant (Multi Branching) 12" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	
6. E:-	Miniature Syngonium Plant 4" Plastic Pot Terracota Colour	आवश्यकतानुसार	

उक्त दरें आगामी एक वर्ष के लिये मान्य होगी तथा आपसी सहमति पर आगामी तीन माह के लिये 1. ओर बढ़ाई जा सकती है।

क्रम सं. 2 के अतिरिक्त शेष पौधों की उंचाई दो से ढाई फिट होनी चाहिये। 2.

उक्त सामग्री / सामान / सेवायें आदि विश्वविद्यालय क सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम "दीक्षान्त समारोह व अन्य आयोजनों " के लिए क्रय की जा रही है जिसमें "महामहिम राज्यपाल महोदय" सहित कई अतिविशिष्ट व्यक्ति सम्मिलित होंगे । अतः आप द्वारा आपूर्ति की गई सामग्री/सामान/सेवा आदि में किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही/कमी नहीं होनी चाहिए । निविदा/दरदाता इस बाबत् आपनी क्षमता / सक्षमता / संसाधन आदि से पूर्ण आश्वस्त हों तो ही अपनी दर / निविदा प्रस्तुत करें ।

Dated:-

Singature of firm/Company with Seal Name: Full Address:



## Annexure A: Compliance with the Code of integrity and No Conflict of interest

Any person participation in a procurement process shall -

- Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly (a) in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process; (b)
- not misrepresent or omit that misleads or so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation; (c)
- not indulge in any collusion, Bid rigging or anti -competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders (d) with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- not indulge in any coercion impairing or harming or threatening to do the same, (e) directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement (g)
- disclose conflict of interest, if any; and
- disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country (h) during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

#### Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

- A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with application laws and regulations. i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to. a.
- Have controlling partners/shareholders in common: ot
- Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them, or b. C.
- Have the same legal representative for purposes of the Bid; or d.
- Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
- The Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder e. in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid'; or f.
- the Bidder or any of it's affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specification of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid ;or
- Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the procuring g. Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Appellant Signature

Annexure B: Declaration be the Bidder regarding Qualifications Declaration by the Bidder

In relation to may/our bid submitted to ......for procurement of ----- in response Transparency in Public Procurement Act. 2012, that:

I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding

Document issued by the Procuring Entity:

2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document: 3.

I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal

proceedings for any of the foregoing reasons;

I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted 4. of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements of misrepresentations as to my/our qualifications to enter into procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings; 5.

I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competitions;

Date: Place:

Signature of bidder Name Designation; Address:

### Annexure C: Grievance Redressed during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Vice-Chancellor MDSU, Ajmer.

The designation and address of the Second Appellate Authority is Joint Secretary, Hr. Education (Gr.IV) Department, Government of Rajasthan, Jaipur.

(1)Filling an appeal

If any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days form the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved;

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement

proceedings:

Provided further that in case a procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable;

The officer to whom an appeal is filed under Para (1) shall deal with the (2) appeal as expeditiously as possible and shall Endeavour to dispose it of

within days from the date of the appeal.

- If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed (3) within the period specified in Para (2), or if the Bidder of prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.
- Appeal not to lie in certain cases (4) No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely;-

Determination of need of procurement; (a)

- Provisions limiting participation of Bidders in Bid process; (b)
- The decision of whether or not to enter into negotiations; (c)

Cancellation of a procurement process; (d)

Applicability of the provisions of confidentiality, (e)

(5) Form of Appeal

(a) An appeal under Para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.

(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft of banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.
- (7) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

(b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-

(i) hear all the parties to appeal present before him; and

(ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies therof relating to the matter.

(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Appellant Signature



## **ANNEXURE D : Additional Conditions of Contract**

### 1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is contained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the procuring Entity there is and obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the Total shall be corrected; and iii. if there is a discrepancy between words is related to and arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Securing Declaration shall be executed.

### 2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities.

(i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works of services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document, It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.

(ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.

(iii) In case procurement of Goods of services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

SI

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidder in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

**Appellant Signature** 



Dated .....

Memorandum of appeal under the Rajasthan Transparency in Public (see rule 83) **Procurement Act, 2012** Appeal No ..... of .... Before the ..... (First/Second Appellate Authority) Particulars of appellant: Name of the appellant; (i) Residential Address: (ii) 2. Name and address of the respondent (s); (i) (ii) (iii) Number and date of the order appealed against and name and 3. designation of the office /authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant; is If the appellant proposes to be represented by a representative, the name 4. and postal address of the representative; Number of affidavits and documents enclosed with the appeal; 5. Grounds of appeal; 6. ..... ........... ......(supported by an affidavit) 7 ...... ...... ..... Place .....

Appellant' Signature

Co

# राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता (RTTP) अधिनियम 2012 की धारा 7(2) व 11 के अन्तर्गत घोषणा पत्र

मैं / हम राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 की धारा 7 व 11 के अन्तर्गत घोषणा करता हूँ / करते हैं कि :-

#### धारा 7(2)

आवश्यक वृत्तिक, तकनीकी, वित्तीय और प्रबंधकीय स्त्रोत तथा उपापन संस्था द्वारा जारी किए गए बोली दस्तावेजों, पूर्व-अर्हता दस्तावेजों या यथास्थिति, बोली लगाने वाले के रजिस्ट्रीकरण दस्तावेजों द्वारा अपेक्षित सक्षमता धारित करते है। 2

ऐसे करों को संदत्त करने की जो बोली दस्तावेजों, पूर्व अर्हता-दस्तावेजों या बोली लगाने वाले के रजिस्ट्रीकरण दस्तावेजों में विनिर्दिष्ट किये गये अनुसार केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या यथास्थिति, किसी स्थानीय प्राधिकारी को संदेय हैं, अपनी बाध्यता की पूर्ति करेगें।

दिवालिया, रिंसीवर के अधीन, शोधन अक्षम नहीं होगा या परिसमापन नहीं कर रहा होगा, न किसी न्यायालय या न्यायिक अधिकारी द्वारा प्रशासित कार्यकलाप रखेगा, न अपने कारोबार के क्रियाकलाप निलंबित रखेगा और न पूर्वगामी कारणों में से किसी के लिए भी विधिक

वृत्तिक आचरण या उपापन प्रक्रिया के प्रारंभ के पूर्ववर्ती तीन वर्ष की किसी कालावधि के भीतर कोई उपापन संविदा किये जाने के लिए अपनी अर्हताओं के बारे में मिथ्या कथन करने या दुर्व्यपदेशन संबंधी किसी दांडिक अपराध के संबंध में न तो स्वयं, और न उनके निदेशक और अधिकारी दोष सिद्ध हुए हैं, या विर्वजन कार्यवाहियों के अनुसरण में अन्यथा निरहिंत हुए है।

ऐसे हित, जो पूर्व-अर्हता के दस्तावेजों बोली लगाने वाले के रजिस्ट्रीकरण दस्तावेजों या बोली दस्तावेजों में विहित और विनिर्दिष्ट किये जाये, के प्रति कोई विरोध नहीं रखेगें, जो उचित प्रतियोगिता को तात्विक रूप ये प्रभावित करें।

कोई भी अन्य अर्हताएँ, जो विहित की जायें, पूर्ण करेगें। 6

#### धारा 11

किसी उपापन संस्था का कोई अधिकारी या कर्मचारी या किसी उपापन प्रक्रिया में भाग लेने वाला कोई व्यक्ति राज्य सरकार द्वारा विहित

उपापन प्रक्रिया में किसी अनुचित लाभ के आदान-प्रदान में, या तो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी रिश्वत, इनाम या दान या किसी तात्विक फायदे के किसी प्रस्ताव, याचना या स्वीकृति का या उपापन प्रक्रिया को अन्यथा प्रभावित करने का

दुर्व्यपदेशन सहित किसी लोप का, जो गुमराह करता है या गुमराह करने का प्रयत्न करता है ताकि कोई वित्तीय या अन्य फायदा प्राप्त ii

उपापन प्रक्रिया की पारदर्शिता, औचित्य और प्रगति का हास करने के लिए किसी दुरभिसंधि, बोली छल या प्रतियोगी-विरोधी व्यवहार का iii

बोली प्रक्रिया में अनुचित लाभ या वैयक्तिक लाभ के आशय से उपापन संस्था और बोली लगाने वालों के बीच सांझा की गयी सूचना के

बोली लगाने वाले और उपापन संस्था के किसी अधिकारी या कर्मचारी के बीच किसी वित्तीय या कारबार संबंधी संव्यवहारों काः

उपापन प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी पक्षकार या उसकी सम्पत्ति का, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, हास या अपहानि या ऐसा

किसी उपापन प्रक्रिया के किसी अन्वेषण या लेखापरीक्षा की किसी बाधा का : प्रतिषेध करने

हित के विरोध का प्रकटीकरण करने 9

अंतिम तीन वर्ष के दौरान भारत या किसी भी अन्य देश में किसी भी संस्था के साथ किसी पूर्ववर्ती नियमभंग करने के संबंध में या किसी अन्य उपापन संस्था द्वारा किसी विवर्जन के संबंध में बोली लगाने वाले के द्वारा प्रकटीकरण करने, के उपबन्ध सम्मिलित है।

अध्याय 4 के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, किसी बोली लगाने वाले या, यथास्थिति, भावी बोली लगाने वाले द्वारा सत्यनिष्ठा संहिता के किसी भंग की दशा में उपापन संस्था निम्नलिखित सहित समुचित अध्युपाय कर सकेगी :i

उपापन प्रक्रिया से बोली लगाने वालों का अपवर्जन

संविदा-पूर्व बातचीत की समाप्ति और बोली प्रतिभूति का समपहरण या भुनाना ii

उपापन से संबंधित किसी अन्य प्रतिभूति या बन्धपत्र का समपहरण या भुनाना iii

उपापन संस्था द्वारा किये गये संदायों की, उन पर बैंक दर से ब्याज सहित, वसूली iv

उपापन संस्था द्वारा सुसंगत संविदा का रहकरण और उपगत हानि के लिए प्रतिकर की वसूली

उपापन संस्था के आगामी उपापनों में, घारा 46 के अधीन तीन वर्ष से अनधिक की कालावधि के लिए, बोली लगाने वाले को भाग लेने से

बोलीदाता के हस्ताक्षर